भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. +3241
सोमवार, 9 अगस्त, 2021/18 श्रावण, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में इको-टूरिज्म परियोजनाएं
+3241. श्री रंजीतसिन्हा हिंदूराव नाईक निम्बालकर:
श्री पी.पी. चौधरी:
श्री संगम लाल गुप्ता:
श्रीमती अपराजिता सारंगी:
श्री अर्जुन लाल मीणा:

- क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
- (क) क्या सरकार ने राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में स्थायी और पर्यावरण हितैषी इको-टूरिज्म परियोजनाओं का बढ़ावा देने के लिए कोई उपाय किए हैं;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा विशेष रूप से पाली और भुवनेश्वर के लिए कोई परियोजना है; और
- (ग) उक्त नीति के तहत शामिल गतिविधियां क्या हैं और इनसे अपेक्षित पर्यावरण लाभ क्या है?

उत्तर
पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): स्थाई और पर्यावरण अनुकूल इको पर्यटन सहित पर्यटन का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। पर्यटन मंत्रालय ने ऐसे अद्भुत उत्पादों जिनमें भारत को अन्य प्रतिस्पर्धी गंतव्यों की तुलना में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्राप्त है, के लिए पर्यटकों का बार-बार आगमन सुनिश्चित करने के लिए वर्षपर्यंत गंतव्य के रूप में भारत के संवर्धन के उद्देश्य से राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा सहित देश में पर्यटन के विकास और संवर्धन हेतु इको पर्यटन को निश पर्यटन उत्पादों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया है। पर्यावरणीय रूप से स्थाई तरीके से पर्यटन के विकास के महत्व को ध्यान में रखते हुए पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन उद्योग के प्रमुख वर्गों के लिए भारतीय स्थाई पर्यटन मानदंड (एसटीसीआई) तैयार किए हैं जो पूरे देश पर लागू होते हैं। यह मानदंड विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श के बाद तैयार किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विभिन्न गंतव्यों में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु एक सुनियोजित तथा प्राथमिकता प्रदत्त तरीके से देश में थीमैटिक परिपथों का विकास कर रहा है। इको पर्यटन स्वदेश दर्शन योजना के तहत शामिल थीमों में से एक है।

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पाली तथा भुवनेश्वर सहित ओडिशा में इको थीम के तहत किसी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी गई है। तथापि पर्यटन मंत्रालय ने ओडिशा राज्य में स्वदेश दर्शन योजना की तटवर्ती परिपथ टीम के तहत 70.82 करोड़ रुपए की कुल राशि से 'गोपालपुर, बरकुल, सतपदा और तमपारा के विकास की परियोजना को स्वीकृति दी है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना की इको थीम के तहत 6 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जिनका विवरण अनुबंध में दिया गया है।

अनुबंध

महाराष्ट्र में इको-टूरिज्म परियोजनाएं के संबंध में दिनांक 09.08.2021 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +3241 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के इको टूरिज्म सर्किट के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	राज्य का नाम	परिपथ का नाम एवं वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
----------	--------------	-----------------------	-----------------	------------------------------

1.	उत्तराखण्ड	इको परिपथ (2015-16)	टिहरी-चंबा-सरायण में टिहरी झील के आसपास परिपथ का विकास	69.17
2.	तेलंगाना	इको परिपथ (2015-16)	महबूबनगर जिलों में सर्किट का विकास (सोमसिला, सिंगोटम, कदलाईवनम, अक्कमहादेवी, इगलनपंता, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेथीर्थम)	91.62
3.	केरल	इको परिपथ (2015-16)	पथानामथिट्टा का विकास- गावी- वागामोन- थेक्कडी	76.55
4.	मिजोरम	इको परिपथ (2016-17)	आइजोल-रॉपुइछिप-खावफावप-लेंगपुई-दुर्टलांग-चटलांग-साकवरहमुइतुएटलांग-मुथी-बेरातलावंग-तुइरियल एयरफील्ड-हमुइफांग में इको-एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37
5.	मध्य प्रदेश	इको परिपथ (2017-18)	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ा घाट- बाणसागर बांध- केन नदी का विकास	94.61
6.	झारखण्ड	इको परिपथ (2018-19)	दलमा - चांडिल- गेतलसूद- बेतला राष्ट्रीय उद्यान-मिरचैया-नेतरहाट का विकास	52.72